प्रकाशित समाचार

दिनांक : शनिवार,24 जुलाई ,2021

पृष्ठ संख्या : 07

डेली हिन्दी मिलाप

DAILY HINDI MILAP

Hyderabad

एनआईआरडी का वेबिनार आयोजित

हैदराबाद, 23 जुलाई-(मिलाप ब्यूरो) राष्ट्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज संस्थान (एनआईआरडी), राजेंद्रनगर, हैदराबाद तथा एनआईआरडी दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में 'भारत में बहुआयामी गरीबी पर साक्ष्य आधारित नीति और कार्य गोलमेज़ सम्मेलन, समग्र ग्रामीण विकास के लिए परामर्श और संवाद' पर वेबिनार आयोजित किया गया।

आज यहाँ जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, वेबिनार में बतौर मुख्य वक्ता ऑक्सफर्ड पॉवर्टी एंड ह्यूमेन डेवलपमेंट इंनिस्टेटिव, यूके की निदेशक डॉ. सबिना अलकिरी ने भाग लिया। उद्घाटन भाषण एनआईआरडीपीआर के महानिदेशक डॉ. जी. नरेंदर कुमार, आईएएस ने प्रस्तुत किया। उन्होंने भारत की गरीबी पहचान नीति और अंत्योदय की पहचान के कई आभावों का उपयोग आदि विषयों पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि डॉ. सबिना अलकिरी ने अपने व्याख्यान में बहुआयामी निर्माण के रूप में गरीबी के साक्ष्य और प्रवृत्तियों को प्रस्तुत किया। उन्होंने राज्यों व अन्य विकास संगठनों के गणमान्य प्रतिभागियों के साथ चर्चा की। डॉ.

वेबिनार में उपस्थित डॉ. सबिना अलकिरी, डॉ. जी. नरेन्दर कुमार एवं अन्य।

अलकिरी बहुआयामी गरीबी के विषय को मापते और निगरानी करती रही हैं। इसी विषय पर उनका वर्ल्ड डेवलपमेंट जर्नल में विवरण प्रकाशित हुआ है। उन्होंने सूरेखित ग्रामीण विकास परिणामों को मापने के लिए मौजूदा एमपीआई को किस प्रकार उन्नत किया जाए आदि विषयों पर वृहद रूप से प्रकाश डाला। उन्होंने वर्तमान समय में सरकारें और नीति कार्यान्वयन कर्ताओं को विकास के प्रति बढ़ावा देने के लिए अभिनव और प्रभावी समाधान ढूँढ़ने आदि पर ज़ोर दिया। साथ ही राष्ट्रीय ग्रामीण विकास संस्थान का उद्देश्य सतत विकास के राजनीतिक क्षेत्रों पर मौजूदा शोध और साक्ष्य लाने तथा नीति कार्रवायी और सतत विकास की दिशा में साक्ष्य आधारित महत्वपूर्ण अनुसंधान व अन्य संस्थाओं और विशेषज्ञों के बीच ताल-मेल बनाने की ओर कदम उठाने को कहा। परियोजना साक्ष्य आधारित नीति और कार्रवाई गोलमेज़ सम्मेलन, समग्र ग्रामीण विकास के लिए परामर्श, संवाद और उद्देश्य, आपसी सीखने और सिखाने, साक्ष्य साझा करने, कार्यवाही योग्य हस्तक्षेप की योजना बनाने, मौजूदा निगरानी ढाँचा विकसित करने और विकास विशेषज्ञों व नीति निर्माताओं को सशक्त बनाने के लिए महत्वपूर्ण नीति तैयार करने पर भी ज़ोर देना है।

इसके अलावा इस राउंड टेबल परियोजना के तीन मुख्य उद्देश्य हैं, जैसे अकादमिक और वैज्ञानिक अनुसंधान कार्यों से वैज्ञानिक साक्ष्य के प्रसार को बढ़ावा देकर, नीति निर्माताओं और हितकारको इसकी जानकारी देना व सशक्त बनाना। दूसरा नीति गत कार्यवाही में लगे शोधकर्ताओं और संगठनों के साथ तालमेल बिठाकर नीति निर्धारण तथा कार्यान्यवन श्रृंखला के उच्च उद्देश्यों को साधना तथा तीसरा स्वैच्छिक संगठनों, गैर-सरकारी संगठनों और व्यक्तियों को एक सूत्र मे जोड़कर गोलमेज़ तक लाना।

वेबिनार वेः आयोजन मे एनआईआरडी हैदराबाद की डॉ. रुचिरा भट्टाचार्या, डॉ. पी. प्रतिम साहू और डॉ. राजेश सिन्हा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।